भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3036
09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बिहार में कैंसर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना

3036. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार बिहार के बाढ़ प्रभावित और अत्यधिक पिछड़े सीमावर्ती क्षेत्रों में कैंसर, ब्रेन ट्यूमर और किडनी रोगियों की बढ़ती संख्या की रोकथाम और उपचार के लिए कैंसर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार का विचार बिहार के सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, अररिया और सीमावर्ती क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों की संख्या और वार्षिक आंकड़ों को एकत्र करके महामारी और महामारी प्रवण रोगों पर अनुसंधान के लिए अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने का है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एनपी-एनसीडी कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी), क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) आदि गैर-संचारी रोगों की जांच एवं निदान पर केंद्रित है। स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाकेंद्रों में विभिन्न स्तरों पर एनसीडी का निदान एवं उपचार किया जाता है।

एनपी-एनसीडी के अंतर्गत, बिहार राज्य में 38 जिला एनसीडी क्लीनिक एवं 256 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

केंद्र सरकार कैंसर की विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कैंसर विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाकेंद्र सुदृढ़ीकरण योजना को क्रियान्वित करती है। उक्त योजना के तहत 19 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और 20 कैंसर विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या केंद्रों (टीसीसीसी) को स्वीकृति दी गई है। बिहार राज्य में, राज्य कैंसर संस्थान - इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना कैंसर रोगियों के लिए विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या स्तर की सुविधाएं प्रदान कर रहा है। उपर्युक्त के अलावा, टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) द्वारा संचालित होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र भी बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में कार्यरत है।

इसके अतिरिक्त, एम्स पटना और पटना मेडिकल कॉलेज, पटना कैंसर से संबंधित सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत सभी नए एम्स और 13 उन्नत मौजूदा सरकारी मेडिकल कॉलेज/संस्थान करते हैं।

एनएचएम के तहत जिला अस्पतालों में इन-हाउस मोड/सरकारी निजी साझेदारी (पीपीपी) मोड में सहायता के लिए वर्ष 2016-17 के दौरान क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) शुरू किया गया था। बिहार राज्य में, पीएमएनडीपी को कुल 38 जिलों में 38 केंद्रों पर 291 हेमो-डायलिसिस मशीनों के साथ कार्यान्वित किया गया है। 30 जून 2024 तक, कुल 6.2 लाख हेमोडायलिसिस सत्र आयोजित किए गए।

(ख) और (ग): स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से भारत में जन स्वास्थ्य महत्व के वायरस का पता लगाने हेतु निदान प्रदान करने के लिए वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) का एक नेटवर्क स्थापित किया है। ये प्रयोगशालाएं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं और विभिन्न नैदानिक तकनीकों में प्रशिक्षित हैं, महामारी और स्थानिकमारी-प्रवण रोगों की निगरानी और अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। देश भर में नेटवर्क में 163 प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जिनमें बिहार में छह वीआरडीएल (पटना में तीन और भागलपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जिलों में एक-एक) शामिल हैं। ये छह प्रयोगशालाएं सीमावर्ती क्षेत्रों सहित पूरे बिहार राज्य में सुविधा प्रदान करती हैं, जन स्वास्थ्य महत्व के संक्रामक रोगजनकों पर सभी प्रकार के निदान और अनुसंधान की सुविधा प्रदान करती हैं। इन वीआरडीएल ने महामारी के समय में बिहार राज्य में कोविड-19 जांच में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

******